पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-जी-3-डी.एल. (एन.)/084/2015-17 प्रकाशित: 01.11.2015 इस अंक का मूल्य 2 रुपये

॥ ओ३म् ॥

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-110007, चलभाष : 9810117464, 9868002130

सप्रेम निमन्त्रण

राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. अनिल आर्य का 57 वां जन्मोत्सव

शनिवार, 14 नवम्बर 2015,सायं 5 बजे
आर्य समाज,कबीर बस्ती,दिल्ली
आशीर्वाद—स्वामी आर्यवेश जी
ब्रह्मा: आचार्य महेन्द्र भाई
मधुर भजन: गरिमा शास्त्री
अध्यक्षता: श्री सुरेन्द्र कोहली
प्रीतिभोज: रात्रि 7.30 बजे

वर्ष-32 अंक-10 कार्तिक-2072 दयानन्दाब्द 191 01 नवम्बर से 15 नवम्बर 2015 (प्रथम अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.
प्रकाशित: 01.11.2015, E-mail : aryayouthn@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

मथुरा में गुरूकुल दखौला की रजत जयन्ती व स्वामी विश्वानन्द जी का अभिनन्दन सम्पन्न

मथुरा, रविवार, 18 अक्तुबर 2015, आर्ष गुरूकुल, विजय नगर, मथुरा का रजत जयन्ती समारोह व स्वामी विश्वानन्द जी का 50 जन्मोत्सव सोल्लास मनाया गया। उपरोक्त चित्र में—स्वामी विश्वानन्द जी का अभिनन्दन करते डा. अनिल आर्य, संयोजक श्री रमाकान्त सारस्वत, स्वामी धर्मेश्वरानन्द जी, श्री सत्यव्रत सामवेदी व स्वामी शिवानन्द जी। द्वितीय चित्र—सार्वदेशिक सभा के कोषाध्यक्ष श्री मायाप्रकाश त्यागी का अभिनन्दन करते डा. अनिल आर्य, माता राजकुमारी आर्या, प्रधान श्री सुशील विद्यार्थी, जितेन्द्र तोमर आदि। इस अवसर पर श्री रामकुमार सिंह आर्य (प्रदेश संचालक, दिल्ली प्रदेश), श्री सुरेश आर्य (गाजियाबाद), श्री शिशुपाल आर्य, श्री सौरभ गुप्ता, श्री शिवम मिश्रा, आचार्य धर्मेद्र, अरविन्द मेहता आदि उपस्थित थे। श्री वेदपाल आर्य (मुजजफर नगर) के ओजस्वी भजन हुए।

आर्य समाज गोविन्द पुरम, गाजियाबाद में ''आर्य युवा सम्मेलन'' सोल्लास सम्पन्न

जातिवाद मुक्त समाज की संरचना का कार्य करें आर्य युवा - डॉ. अनिल आर्य

सम्बोधित करते डा.अनिल आर्य,साथ में स्वामी धर्मेश्वरानन्द जी,देवेन्द्रपाल वर्मा,आचार्य आनन्द पुरूषार्थी व सन्दीप आर्य,भजनोपदेशक। द्वितीय चित्र—समाज के प्रधान शिवशंकर शर्मा को सम्मानित डा.अनिल आर्य,श्रीपाल आर्य,प्रि.कृपालसिंह आर्य।

गाजियाबाद। शनिवार, 24 अक्तुबर 2015, आर्य समाज गोविन्दपुरम के 15 वें वार्षिकोत्सव पर ''आर्य युवा सम्मेलन'' का भव्य आयोजन स्वामी धर्मेश्वरानन्द सरस्वती (प्रान्तीय महामन्त्री, आर्य प्रतिनिधि सभा उतर प्रदेश) की अध्यक्षता में किया गया। स्वामी धर्मेश्वरानन्द जी ने युवाओं को पं.रामप्रसाद बिस्मिल से प्रेरणा लेने का आह्वान किया।

समारोह के मुख्य अतिथि केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. अनिल आर्य ने युवा शक्ति से राष्ट्र की ज्वलन्त समस्याओं में अग्रणी भूमिका निभाने का आह्वान करते हुए कहा कि आज पूरा समाज जातिवाद की चपेट में आया हुआ है जो कि देश की एकता अखण्डता में बाधक है, आर्य युवकों को जातिवाद मुक्त समाज की संरचना का कार्य करना है। उन्होंने कहा कि गौ हमारी आर्य संस्कृति का अभिन्न अंग है उसकी रक्षा करना प्रत्येक व्यक्ति का उतरादायित्व बनता है। डा.आर्य ने कहा कि धर्मान्तरण होने से व्यक्ति की निष्ठा अपने आप बदल जाती है जो अलगाववाद व आंतकवाद का जन्म देती है। उन्होंने प्रधानमन्त्री से मांग की कि गौ हत्या व पशु वध पर पूर्ण प्रतिबन्ध लगाया जाये।

आर्य प्रतिनिधि सभा उतर प्रदेश के प्रधान श्री देवेन्द्र पाल वर्मा ने कहा कि हमें युवकों को अवसर देकर आगे लाना चाहिये तभी आर्य समाज की द्वितीय रक्षा पंक्ति तैयार हो सकती है।

वैदिक विद्वान आचार्य आनन्द पुरूषार्थी ने कहा कि युवको को चाहिये कि वह अपने दैनिक जीवन को पवित्र व संकल्पवान बनाये। वेदों का ज्ञान ही विश्व को सच्ची शान्ति का मार्ग दे सकता है क्योंकि वेद का ज्ञान मानव मात्र के कल्याण के लिए है।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के प्रान्तीय महामन्त्री श्री प्रवीन आर्य ने कहा कि चरित्रवान युवा पीढ़ी का निर्माण करना आर्य समाज का प्रमुख कार्य है, हम संस्कारित युवा बना कर अच्छे समाज का निर्माण करेंगे।

गुरूकुल पूठ, हापुड़ व केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के आर्य युवको ने भव्य व्यायाम शक्ति प्रदर्शन दिखाये। पं.सन्दीप आर्य के मधुर भजन हुए। प्रि. कृपालसिंह आर्य ने कुशल मंच सचांलन किया। समाज के प्रधान शिवशंकर शर्मा, मन्त्री सतीश कुमार सहारन ने सभी का आभार व्यक्त किया। आर्य नेता श्रीपाल आर्य, (एडवोकेट), सत्यवीर चौधरी, सुरेन्द्र त्यागी, अरूण आर्य (प्रदेश महामंत्री दिल्ली प्रदेश), माधव सिंह, शिवम मिश्रा, विकास आर्य, हर्ष बवेजा आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

132 वें महर्षि दयानन्द बलिदान दिवस पर
संगीत संध्या व 11 कुण्डीय यज्ञ

''एक शाम ऋषि दयानन्द के नाम''

वीरवार, 12 नवम्बर 2015, सायं 4 बजे से 8 बजे तक
स्थान: दिल्ली हाट, पीतमपुरा,दिल्ली—110034
ब्रह्मा: आचार्य गवेन्द्र शास्त्री
गायक कलाकार:
नरेन्द्र आर्य 'सुमन'—अर्चना मोहन—अकिंत उपाध्याय
आप सपरिवार सादर आमन्त्रित हैं
निवेदक
डा. अनिल आर्य प्रदीप तायल महेन्द्र भाई

गोरक्षा- आन्दोलन और गोपालन का महत्व

—मनमोहन कुमार आर्य, देहरादून

आर्य विद्वान और नेता लौह पुरूष पं. नरेन्द्र जी, हैदराबाद की आत्मकथा 'जीवन की धूप—छांव' से गोरक्षा आन्दोलन विषयक उनका एक संस्मरण प्रस्तुत कर रहे हैं। वह लिखते हैं कि 'सन् 1966 ईस्वी में पुरी के जगद्गुरु शंकराचार्य के नेतृत्व में गोरक्षा आन्दोलन चलाया गया था। पांच लाख हिन्दुओं का एक ऐतिहासिक जुलूस लोकसभा तक निकाला गया था। वहां पहुंचकर प्रधानमन्त्री, गृहमन्त्री श्री गुलजारी लाल नन्दा को गोरक्षा नियम बनाने के लिए ध्यानाकर्षण के निमित्त ज्ञापन दिया गया। भारत सरकार ने अपनी शक्ति के द्वारा इस आन्दोलन को समाप्त करने का प्रयत्न आरम्भ कर दिया। सत्याग्रह आन्दोलन उभरता ही गया। हजारों आर्य समाजियों ने सत्याग्रह में भाग लिया। हैदराबाद में पुरी के शंकराचार्य ने 1968 ई. में गोरक्षा—सम्मेलन की अध्यक्षता करते हुए कहा था — ''गोरक्षा आन्दोलन में आर्यसमाज ने अपना जो योगदान दिया है, उसके लिए मैं आर्यसमाज का जन्म भर आभारी रहूंगा।'' इस आन्दोलन में 21 गोभक्त शहीद हुए। कांग्रेसी राज्य के अत्याचार अनाचार, मारपीट के बावजूद भारत के कोने—कोने से लगातार जत्थे देहली पहुंचकर अपने—आपको गिरफ्तार कराते रहे। ऐसे अवसर पर चुप्पी साधकर बैठना मेरी (पं. नरेन्द्र की) प्रकृति के विरुद्ध था। मैंने उस समय दिल्ली पहुंच कर 112 सत्याग्रहियों के साथ चांदनी चौक, दिल्ली में हजारों हिन्दुओं और आर्यों की उपस्थिति में सत्याग्रह किया। हम सबको तिहाड़ जेल पहुंचा दिया गया, जहां मजिस्ट्रेट ने एक—एक मास की सजा सुनाई। हैदराबाद से श्री मुन्नालाल मिश्र, श्री गोपाल देवशास्त्री, श्री सोहनलाल वानप्रस्थी और श्री बंसीलाल जी के अतिरिक्त जालना, गुलबर्गा के आर्य समाजियों ने इसमें बढ़—चढ़ के भाग लिया था। श्री करपात्री जी के त्रुटिपूर्ण नेतृत्व के कारण यह आन्दोलन सफलता के द्वार तक पहुंचने से पूर्व ही सरकार की कूटनीति का शिकार हो गया।'

ईश्वरीय ज्ञान वेद में ईश्वर ने गोमाता को ''गो सारे संसार की मां है'' कहकर सम्मान दिया है। यजुर्वेद के पहले ही मन्त्र में गो की रक्षा करने का निर्देश ईश्वर की ओर से दिया गया है। गोदुग्ध पूर्ण आहार है। जिस बच्चे व अति वृद्ध के मुंह में दांत नहीं होते उनका पालन पोषण भी गो दुग्ध के द्वारा होता है। हमने पढ़ा था कि भूदान यज्ञ के नेता विनोबा भावे जी को उदर रोग था जिस कारण अन्न का सेवन उनके लिए निषिद्ध था और वह गो दुग्ध पीकर ही जीवन निर्वाह करते थे। पं. प्रकाशवीर शास्त्री ने अपनी प्रसिद्ध पुस्तक 'गोहत्या राष्ट्र हत्या' में लिखा है कि अनुसंधान में यह पाया गया है कि यदि गो को कई दिनों तक चारा न भी दिया जाये तब भी वह कई दिनों तक भूखी रहकर दूध देती रहती है। हमने स्वामी ओमानन्द सरस्वती जी की पुस्तक 'गोदुग्ध अमृत है।' में पढ़ा था कि एक निर्धन व असहाय किसान की आंखों की रोशनी चली गयी। उसके घर में एक गाय की बछिया थी जिसे उसका पुत्र पाल रहा था। कुछ महीनों बाद वह गाय बियाई तो घर में दुग्ध की प्रचुरता हो गई। कुछ ही दिनों में उस परिवार में चमत्कार हो गया। उस वृद्ध की आंखों की रोशनी गाय का दूध पीने से लौट आई। आज के समय का सबसे भयंकर रोग कैंसर है। इस रोग में भी गाय का मूत्र कारगर व लाभप्रद सिद्ध होता है। गोसदन में यदि क्षय रोगी को रखा जाये तो उसका रोग भी ठीक हो जाता है। महर्षि दयानन्द ने अपनी विश्व प्रसिद्ध पुस्तक गोकरुणानिधि में एक गाय की एक पीढ़ी से होने वाले दुग्ध और उसके बैलों से मिलने वाले अन्न की एक कुशल अर्थशास्त्री की भांति गणना की है और बताया है कि गाय की एक पीढ़ी से 'दूध और अन्न को मिला कर देखने से निश्चय है कि 4,10,440 चार लाख दश हजार चार सौ चालीस मनुष्यों का पालन एक बार के भोजन से होता है।' मांस से उनके अनुमान के अनुसार केवल अस्सी मांसाहारी मनुष्य एक बार तृप्त हो सकते हैं। वह लिखते हैं कि ''देखों, तुच्छ लाभ के लिए लाखों प्राणियों को मार असंख्य मनुष्यों की हानि करना महापाप क्यों नहीं?''

महर्षि दयानन्द ने अपने समय में गोरक्षा का आन्दोलन भी चलाया था। वह अनेक बड़े अंग्रेज राज्याधिकारियों से मिले थे और गोरक्षा के पक्ष में अपने तर्कों से उन्हें गो हत्या को बन्दर करने के लिए सन्तुष्ट वह सहमत किया था। उन्होंने करोड़ों लोगों के हस्ताक्षर कराकर महारानी विक्टोरिया को भेजने की योजना भी बनाई थी जो तेजी से आगे बढ़ रही थी परन्तु विष के द्वारा उनकी हत्या कर दिये जाने के कारण गोरक्षा का कार्य अपने अन्तिम परिणाम तक नहीं पहुंच सका।

ईश्वर से गोरक्षा की प्रार्थना करते हुए वह गोकरुणानिधि पुस्तक की भूमिका में महर्षि दयानन्द कहते हैं कि 'ऐसा सृष्टि में कौन मनुष्य होगा जो सुख और दुःख को स्वयं न मानता हो? क्या ऐसा कोई भी मनुष्य है कि जिसके गले को काटे वा रक्षा करें, वह दुःख और सुख का अनुभव न करे? जब सब को लाभ और सुख ही में प्रसन्नता है, तो बिना अपराध किसी प्राणी का प्राण वियोग करके अपना पोषण करना यह सत्पुरुषों के सामने निन्दित कर्म क्यों न होवे? सर्वशक्तिमान् जगदीश्वर इस सृष्टि में मनुष्यों के आत्माओं में अपनी दया और न्याय को प्रकाशित करे कि जिससे ये सब दया और न्याययुक्त होकर सर्वदा सर्वोपकारक काम करें और स्वार्थपन से पक्षपातयुक्त होकर कृपापात्र गाय आदि पशुओं का विनाश न करें कि जिससे दुग्ध आदि पदार्थों और खेती आदि क्रियाओं की सिद्धि से युक्त होकर सब मनुष्य आनंद में रहे।'

हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि वह गो का मांस खाने वाले मनुष्यों के हृदयों में सत्य ज्ञान का प्रकाश करे जिससे वह गोहत्या व गोमांस भक्षण का त्याग करके गो हत्या के महापाप और ईश्वर के दण्ड से बच सकें तथा उनका अगला जन्म, जो कि निःसन्देह होना ही है, उसमें उन्हें निम्न जीवयोनियों में पड़कर दूसरों जीवों को लिए दुःख के समान स्वयं दुःख न भोग पड़े।

—196 चुक्खूवाला—2, देहरादून—248001, फोन : 09412985121

251 कुण्डीय यज्ञ की तैयारी हेतु आगामी बैठक

1. **उत्तर पश्चिमी क्षेत्र—शनिवार, 7 नवम्बर 2015, सायं 5 बजे, आर्य समाज, प्रशान्त विहार, दिल्ली—संयोजकः श्रीकृष्ण चन्द पाहुजा, मो. 9810119345, श्री दुर्गेश आर्य, 09868664800**
2. **जिला गाजियाबाद—रविवार, 8 नवम्बर 2015, प्रातः 11.30 बजे, आर्ष गुरूकुल महाविद्यालय, जी.टी.रोड़, गाजियाबाद, संयोजकः श्री तेजपाल सिंह आर्य. 09868178960, श्री प्रवीण आर्य**
3. **पश्चिमी दिल्ली—रविवार, 8 नवम्बर 2015, सायं 4 बजे, आर्य समाज, रमेश नगर, नई दिल्ली, संयोजक—श्री नरेन्द्र आर्य 'सुमन', फोनः 9213402628**

कृपया अपने निकट की बैठक में समय पर पंहुचे

—महेन्द्र भाई,राष्ट्रीय महामन्त्री

जहां नहीं होता कभी विश्राम ओ३म् आर्य युवक परिषद् है उसका नाम

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के 37 वें वार्षिकोत्सव के उपलक्ष्य में

आर्य नेता, शिक्षाविद् **डा. अशोक कुमार चौहान** के सानिध्य एवं
युवा वैदिक विद्वान डा. जयेन्द्र आचार्य के ब्रह्मत्व में

251 कुण्डीय विराट् यज्ञ

एवम्

अखिल भारतीय आर्य महासम्मेलन

दिनांक : 5, 6, 7 फरवरी 2016 (शुक्र, शनि व रविवार)

स्थान: अजमल खाँ पार्क, करोलबाग, नई दिल्ली-110005

विराट् शोभा यात्रा: शुक्रवार 5 फरवरी 2016, प्रात: 10:30 बजे

रूट: अजमलखाँ पार्क से चलकर फैज रोड, मॉडल बस्ती, ईस्ट पार्क रोड, डोरीवालान, देशबन्धु गुप्ता मार्ग, आर्य समाज रोड, करोल बाग, मास्टर पृथ्वीनाथ मार्ग होते हुए अजमल खाँ पार्क में दोपहर 1:30 बजे समापन।

मुख्य आकर्षण

* आर्य युवा सम्मेलन
* वेद सम्मेलन
* शिक्षा-संस्कृति रक्षा सम्मेलन
* भव्य संगीत संध्या
* नारी शक्ति सम्मेलन
* राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन

प्रात: से रात्रि निरन्तर तीनों दिन ऋषि लंगर की सुन्दर व्यवस्था

1. दिल्ली के बाहर से आने वाले आर्य बन्धु अपने पधारने की संख्या के बारे में 3 जनवरी 2016 तक सूचित करने की कृपा करें जिससे भोजन व आवास आदि का उचित प्रबन्ध किया जा सके। सम्पर्क: श्री आदर्श कुमार-9811440502, आचार्य गवेन्द्र शास्त्री-9810884124
2. कृपया यजमान बनने के इच्छुक आर्य बन्धु व आर्य समाजें अपना यज्ञकुण्ड 3 जनवरी 2016 तक गोपाल जैन-9810756571, कमल आर्य-9953995003, ऋषिपाल शास्त्री-9891148729, अरुण आर्य-9818530543, जयप्रकाश शास्त्री-9810897878 पर आरक्षित करवा लें।

हज़ारों की संख्या में पहुँचकर आर्य समाज की विराट् संगठन शक्ति का परिचय दें

अपील

इस रचनात्मक विशाल कार्यक्रम में आपका तन, मन, धन से सहयोग अपेक्षित है कृपया दानराशी क्रास चैक/ड्राफ्ट द्वारा ''केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् दिल्ली'' के नाम से कार्यालय के पते पर भिजवायें। ऋषि-लंगर के लिए आटा, दाल, चावल, चीनी, शुद्ध घी, रिफाईन्ड, सब्जी आदि खाद्य सामग्री देकर पुण्य के भागी बनें

आनन्द चौहान
दर्शन अग्निहोत्री
प्रभात शेखर
डा. रिखबचन्द जैन
मायाप्रकाश त्यागी
राजीव परम

डॉ. अनिल आर्य
राष्ट्रीय अध्यक्ष
9810117464
9868002130

निवेदक

महेन्द्र भाई
राष्ट्रीय महामन्त्री
9013137070

धर्मपाल आर्य
कोषाध्यक्ष
9711523412

अमरनाथ गोगिया
स्वागताध्यक्ष
9910766520

नफेसिंह देसवाल
स्वागत मंत्री
9868428236

यशोवीर आर्य, रामकुमार सिंह, कृष्णचन्द पाहुजा
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

दुर्गेश आर्य, देवेन्द्र भगत, राकेश भटनागर, सुभाष बब्बर
राष्ट्रीय मंत्री

आनन्दप्रकाश आर्य, सत्यभूषण आर्य, स्वतंत्र कुकरेजा, रामकृष्ण शास्त्री
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

प्रवीण आर्य, सुरेश आर्य, वीरेन्द्र योगाचार्य, सुशील आर्य
राष्ट्रीय मंत्री

सौरभ गुप्ता
व्यवस्थापक

कार्यालय : आर्य समाज, कबीर बस्ती, पुरानी सब्जी मण्डी, दिल्ली-110007, मो. 9868661680
E-mail: aryayouthn@gmail.com **Website:** www.aryayuvakparishad.com
Group: aryayouthgroup@yahoogroups.com • join-http:// www.facebook.com/group/aryayouth

मध्य दिल्ली की बैठक आर्य समाज देव नगर में विधायक विशेष रवि का अभिनन्दन

रविवार, 25 अक्तुबर 2015, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् की कार्यकर्ता बैठक आर्य समाज, देव नगर, नई दिल्ली में सम्पन्न हुई, बैठक में आगामी 5, 6, 7 फरवरी 2016 को अजमल खां पार्क, नई दिल्ली में होने वाले 251 कुण्डीय विराट यज्ञ, विशाल शोभायात्रा व आर्य महासम्मेलन को सफल बनाने के लिये विचार किया गया। बैठक की अध्यक्षता श्री नफेसिंह देसवाल ने की उन्होंने कहा कि मध्य दिल्ली में शोभायात्रा का भव्य स्वागत सत्कार किया जायेगा तथा कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाने के लिये कोई कसर नहीं छोड़ेगे। बैठक का संचालन श्री गोपाल जैन, अध्यक्ष मध्य दिल्ली ने किया। परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. अनिल आर्य ने देश भर के आर्यो से दिल्ली पंहुचने की अपील की उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन आर्य समाज की भव्य शक्ति का परिचयायक होगा। महामन्त्री महेन्द्र भाई, शिशुपाल आर्य, आचार्य गवेन्द्र शास्त्री, पीताम्बर बाली, संजीव आर्य, केवलकृष्ण सेठी, कृष्णलाल राणा, वेदप्रकाश आर्य, अनिल हाण्डा, आचार्य योगेन्द्र शास्त्री, अरूण आर्य, ऋषिपाल शास्त्री, राकेश आर्य, गौरव आर्य आदि ने अपने विचार रखे। क्षेत्रीय विधायक विशेष रवि ने पधार कर सम्मेलन को सफल बनाने का आश्वासन दिया।

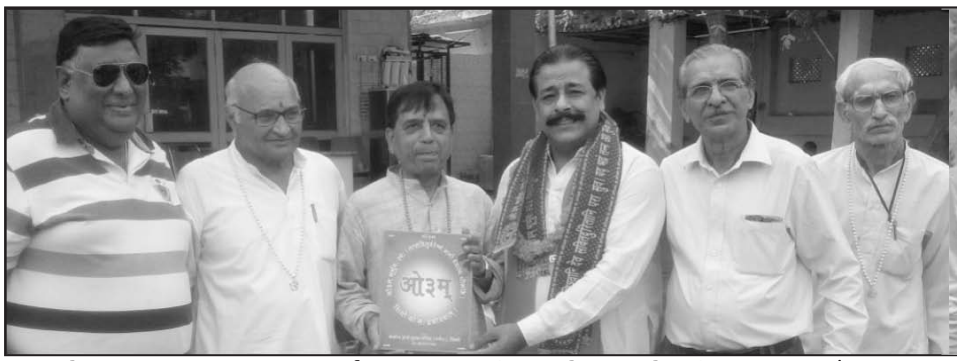

आर्य समाज पंजाबी बाग विस्तार व आर्य समाज, सैक्टर-19, फरीदाबाद का उत्सव सम्पन्न

रविवार, 25 अक्तुबर 2015, आर्य समाज, पंजाबी बाग विस्तार, दिल्ली का उत्सव सोल्लास सम्पन्न हुआ। आचार्य हरिप्रसाद जी के प्रवचन व पं.देव आर्य के मधुर भजन हुए। चित्र में–समाज के प्रधान श्री धर्मपाल कुकरेजा का सम्मानित करते डा. अनिल आर्य, साथ में श्री पी.एस. दहिया, सुभाष मितल, राजेन्द्र दुर्गा व केसर दास जी। मन्त्री श्री आनन्द कपूर ने कुशल संचालन किया। द्वितीय चित्र–आर्य समाज सैक्टर–19, फरीदाबाद के उत्सव पर श्री नरेन्द्र आहुजा 'विवेक' को सम्मानित करते श्री लक्ष्मी चन्द आर्य,प्रधान श्री महेश गुप्ता व मन्त्री डा.गजराज सिंह आर्य।

श्री कृष्णदेव आर्य के 90 वें जन्मोत्सव पर अभिनन्दन व लुधियाना में वेद कथा सम्पन्न

रविवार, 25 अक्तुबर 2015, आर्य समाज, सरस्वती विहार, दिल्ली के संरक्षक श्री कृष्णदेव आर्य का 90 वां जन्मोत्सव सोल्लास मनाया गया। आचार्य अखिलेश्वर जी का प्रवचन हुआ। चित्र में डा. अनिल आर्य, मन्त्री अरूण आर्य, विनय आर्य, चन्द्रभान गुप्ता, विनय भूषण गुप्ता भजनों की पुस्तक का विमोचन करते हुए। द्वितीय चित्र–आर्य समाज, लुधियाना के उत्सव पर आचार्य रामानन्द आर्य (शिमला) प्रवचन करते हुए। पंजाब केसरी के सम्पादक श्री विजय चौपड़ा, सभा प्रधान श्री सुदर्शन शर्मा आदि उपस्थित थे– सुमित आर्य

श्री सोमनाथ आर्य पुनः प्रधान निर्वाचित

आर्य केन्द्रिय सभा गुड़गांव के चुनाव में श्री सोमनाथ आर्य 6 वीं बार प्रधान चुने गये। उन्होंने उपप्रधान–श्री नरेन्द्रदेव कालरा, महामन्त्री–श्री प्रभुदयाल चुटानी, मन्त्री–बलदेवकृष्ण गुगलानी, कोषाध्यक्ष–नरवीरलाल चौधरी, भण्डाराध्यक्ष–नरेन्द्र तनेजा, प्रेस सचिव–पदमचन्द आर्य, लेखा निरीक्षक–सी.आर. कटारिया को मनानीत किया। युवा उद्घोष की ओर से हार्दिक बधाई।

आर्य समाजों के निर्वाचन सम्पन्न

1. आर्य समाज, सन्देश विहार, दिल्ली के चुनाव में डा. विशाल आर्य–प्रधान, श्री देवमित्र आर्य–मन्त्री व श्री जसवंत सिंह कपूर–कोषाध्यक्ष चुने गये।
2. आर्य समाज, सैनिक विहार, दिल्ली के चुनाव में विंग कमांडर श्री बी.आर. के.कपूर–प्रधान, श्री विनय खुराना–मन्त्री व श्री सुधाकर शाह गुप्ता–कोषाध्यक्ष चुने गये।
3. आर्य समाज, कालका जी, नई दिल्ली के चुनाव में श्री रमेश गाडी–प्रधान, श्री राकेश भटनागर–मन्त्री व श्री आदर्श सलुजा–कोषाध्यक्ष चुने गये।
4. आर्य प्रतिनिधि उपसभा गाजियाबाद के चुनाव में श्री सुभाष सिंघल–प्रधान, श्री तेजपालसिंह आर्य–मन्त्री चुने गये।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद की ओर से हार्दिक बधाई

किदवई नगर में रोग निवारण यज्ञ सम्पन्न

आर्य समाज, किदवई नगर, नई दिल्ली के तत्वावधान में एल.एम ब्लाक, सरोजनी नगर में रोग निवारण यज्ञ का आयोजन किया गया। संचालन समाज के कर्मठ मन्त्री श्री सुशील कुमार मोर्य ने किया।

शोक समाचारः विनम्र श्रद्धांजलि

1. श्री पं. जगमाल आर्य, आयु-86 वर्ष,जनकपुरी, दिल्ली का निधन।
2. श्री वरूण मुनि वानप्रस्थ (राजस्थान) का निधन।
3. श्रीमती विद्यावती आर्या, (पश्चिमी चम्पारण) का निधन।

सम्पादकः **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मंयक प्रिटर्स**,2199/63, नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली-5 दूरभाष : 41548503 मो. : 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी-176-177, कबीर बस्ती, दिल्ली-7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक** : दिनेश आर्य, मोबाइल : 9911587765, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970